मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 27 जनवरी 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	27-01-14	28-01-14	29-01-15	30-01-15	31-01-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	22	23	23	24	23
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	8	8	7	7	6
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	76	74	69	71	68
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	31	27	24	26	27
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	14	12	11	9	9
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व	पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिल के किसानों को सलाहः

किसान भाई गेहूँ की फसल में चतुर्थ सिंचाई 80 से 85 दिन (बाली बनते समय) की अवस्था पर करें।

पिछले दिनों बादल छाएं रहने के कारण जीरे की फसल में झुलसा रोग का प्रकोप हो सकता है अतः नियत्रंण हेतु मैन्कोजेब या जाइनेब 2 ग्राम दवा का पति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

जीरे की फसल में चैपा कीट के नियत्रंण के लिए इमिडाक्लोप्रिड की 0.5 लीटर या मैलाथियान 50 ई.सी. एक लीटर मात्रा या एसीफेट की 750 ग्राम मात्रा 500 लीटर पानी मे घोल कर प्रति हैक्टर छिड़काव करें।

सौफ व मेथी में तुलासिता रोग के नियंत्रण हेतु 2 ग्राम मैन्कोजेब प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

बैंगन, टमाटर व भिण्डी में मकड़ी, थ्रिप्स व हरा तेला के नियंत्रण के लिये डायमिथोएट 30 ई.सी. या मिथाइल डिमेटोन 25 ई.सी. या मैलाथियॉन 50 ई.सी. की एक मिलीलीटर मात्रा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशु आहार में हरे चारे की मात्रा नियंत्रित रखें व सूखे चारे की मात्रा भी मिलाकर दे। नवजात पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बोरी की झूल बनाकर ओढ़ावें। भोजन में चारे–बांटे की मात्रा बढ़ाएं व लवण–मिश्रण भी दें।